

लोक सभा अध्यक्ष ने संसद के मानसून सत्र की तैयारियों का जायज़ा लिया



नई दिल्ली। 17वीं लोक सभा के 19 जुलाई, 2021 से आरम्भ हो रहे छठे सत्र की तैयारियों का जायज़ा लेने के लिए आज लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने संसद भवन परिसर में विभिन्न स्था नों को दौरा किया और सत्र के सुचारू संचालन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर श्री बिरला ने यह जानकारी दी कि आगामी मानसून सत्र के दौरान सभा की बैठक सामान्यतः रूप से 11 बजे से शुरू होगी। श्री बिरला ने यह भी बताया कि इस सत्र में 19 बैठकें होंगी। सत्र के लिए कोविड संबंधी व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी देते हुए श्री बिरला ने कहा कि संसद सदस्यों, अधिकारियों, मीडिया और अन्य व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। वैक्सिन की एक डोज़ ले चुके सदस्यों के लिए आरटीपीसीआर टेस्ट अनिवार्य नहीं होगा। आरटीपीसीआर टेस्ट की सुविधा संसद भवन परिसर में उपलब्ध रहेगी।

अध्यक्ष महोदय ने यह भी बताया कि अब तक कुल 441 सदस्यों को टीका लगाया जा चुका है और बाकी सदस्यों को टीका मेडिकल आधार पर नहीं लगाया जा सका। लोक सभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों का टीकाकरण भी हो चुका है। श्री बिरला ने कहा कि टीकाकरण की सुविधा संसद भवन परिसर में उपलब्ध रहेगी। कोविड के कारण लगाए गए प्रतिबंधों के चलते संसद के मानसून सत्र के दौरान आगंतुकों को संसद भवन में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

श्री बिरला ने जानकारी दी कि एक मोबाइल एप तैयार किया जा रहा है जिससे सभी संसदीय मामलों के लिए वन स्टॉप सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

17वीं लोक सभा में हुए कार्य के बारे में बताते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि कोविड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद 17वीं लोक सभा के पहले पांच सत्रों के दौरान पिछली लोक सभाओं की तुलना में कई अधिक कार्य हुआ। 14वीं, 15वीं और 16वीं लोक सभा की तुलना में 17वीं लोक सभा में बैठकों की संख्या अधिक रही जिसके परिणामस्वरूप 17वीं लोक सभा में कार्य उत्पादकता सबसे अधिक रही। इस संदर्भ में श्री बिरला ने यह जानकारी भी दी कि कोविड काल के दौरान कई सदस्यों ने उत्कृष्ट कार्य किया जिसे सभी के साथ साझा किया जाएगा। बताया कि हाल ही में नियम 377 के अधीन उठाए गए मामलों में मंत्रालयों ने प्राप्त होने वाले उत्तरो में वृद्धि हुई है। लोक सभा अध्यक्ष ने बताया कि 17वीं लोक सभा में कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं।

श्री बिरला ने यह भी कहा कि भारत में लोकतंत्र समय की कसौटी पर खरा उतरा है। देश मजबूत हो रहा है और विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने संसदीय राजनय के बारे में बात करते हुए कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत की संसद अंतर-संसदीय समूह और राष्ट्रमंडल संसदीय संघ जैसे विश्वा संसदीय मंचों पर सक्रिय रहती है। श्री बिरला ने कहा कि लोक सभा अन्य देशों की संसदों के सदस्यों की क्षमता का संवर्धन कर सकती है श्री बिरला ने बताया कि सदस्यों के क्षमता निर्माण के लिए लोक सभा का रिसर्च विंग सभी संसद सदस्यों को नीतिगत मुद्दों और अन्यो विषयों के बारे में संगत जानकारी 24x7 उपलब्ध कराता है। अध्यक्ष महोदय ने यह भी कहा कि आने वाले समय में संसद लाइब्रेरी को पूरी तरह डिजिटाइज़ कर दिया जाएगा तथा 1854 से अब तक के सभी महत्वपूर्ण संसदीय वाद-विवाद, पत्र और दस्तावेज़ आदि डिजिटल रूप से उपलब्ध कराए जाएंगे। संसद लाइब्रेरी और राज्य विधान सभाओं की लाइब्रेरियों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया जाएगा। श्री बिरला ने बताया कि सदस्यों की सुविधा के लिए लाइब्रेरी से पुस्तकों की घर पर डिलीवरी की सुविधा भी शुरू की गई है। नए संसद भवन के बारे में बताते हुए श्री बिरला ने कहा कि नए संसद भवन का निर्माण कार्य समय पर पूरा होगा।